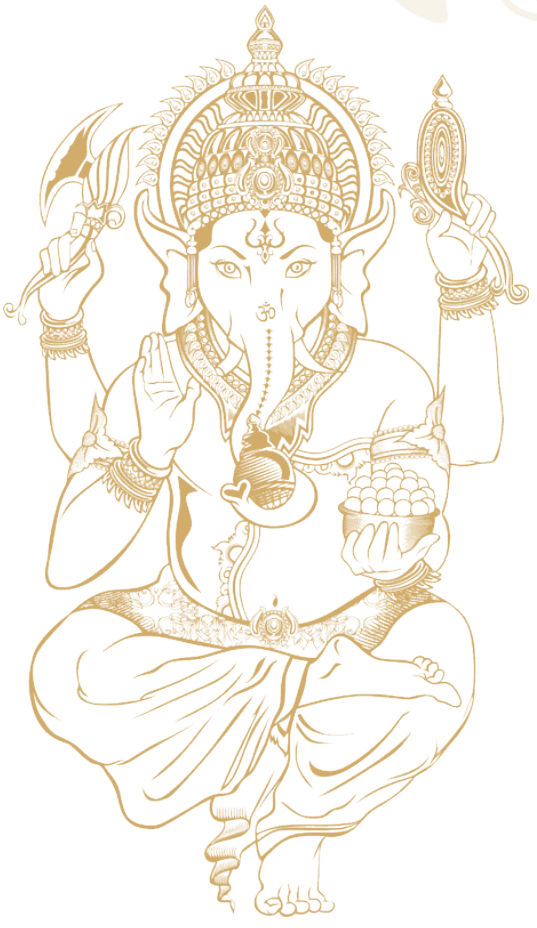

Aman

Sapna

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121420902

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19-20/03/1997	जन्म तिथि	18/07/1999
बुध-गुरुवार	दिन	रविवार
घंटे 04:45:00	जन्म समय	16:00:00 घंटे
घटी 55:38:14	जन्म समय(घटी)	26:15:14 घटी
India	देश	India
Palampur	स्थान	Palampur
32:04:00 उत्तर	अक्षांश	32:04:00 उत्तर
76:29:00 पूर्व	रेखांश	76:29:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:24:04	स्थानिक संस्कार	-00:24:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:29:42	सूर्योदय	05:29:54
18:35:15	सूर्यास्त	19:30:10
23:49:05	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:51

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 13वर्ष 3मा 10दि		27:15:24	मक	लग्न	वृश्चि	13:26:04	सूर्य 0वर्ष 3मा 4दि	
शुक्र		05:34:30	मीन	सूर्य	कर्क	01:31:49	राहु	
29/06/2017		19:35:09	कर्क	चंद्र	कन्या	09:25:12	21/10/2016	
29/06/2037		01:54:58	कन्या व	मंगल	तुला	11:12:09	21/10/2034	
शुक्र	29/10/2020	13:44:28	मीन	बुध व	कर्क	14:28:27	राहु	04/07/2019
सूर्य	29/10/2021	18:55:54	मक	गुरु	मेष	08:54:15	गुरु	27/11/2021
चन्द्र	30/06/2023	02:07:43	मीन	शुक्र	सिंह	08:52:26	शनि	02/10/2024
मंगल	29/08/2024	15:03:37	मीन	शनि	मेष	21:47:12	बुध	22/04/2027
राहु	30/08/2027	04:56:00	कन्या व	राहु	कर्क	19:13:07	केतु	09/05/2028
गुरु	30/04/2030	04:56:00	मीन व	केतु	मक	19:13:07	शुक्र	10/05/2031
शनि	29/06/2033	13:40:48	मक	हर्ष व	मक	21:45:27	सूर्य	03/04/2032
बुध	29/04/2036	05:38:24	मक	नेप व	मक	09:20:36	चन्द्र	03/10/2033
केतु	29/06/2037	11:44:50	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	14:09:10	मंगल	21/10/2034

लग्न-चलित

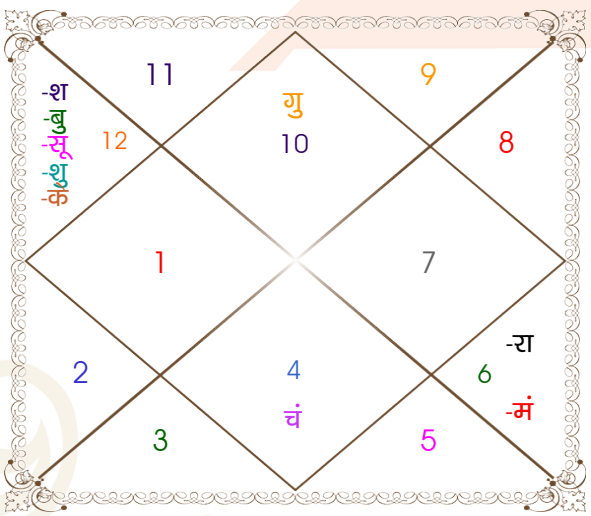

लग्न-चलित

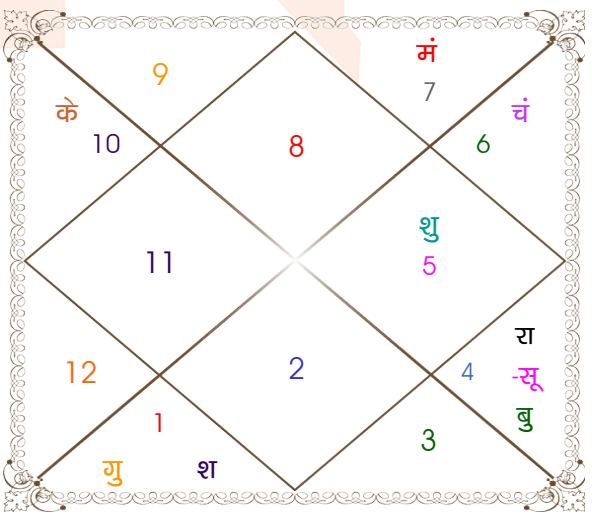

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	बुध	5	1.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कर्क	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

।उंद का वर्ग श्वान है तथा Sapna का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।उंद और Sapna का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

।उंद मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Sapna मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Sapna कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि ।उंद कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ाउंद तथा Sapna में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।